भा. कृ. अनु. प.- केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान,

क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, भरूच

"विश्व मृदा दिवस" के अवसर पर अनुसूचित जाति के किसानों के लिए आयोजित

"किसान गोष्ठी"

तथा "मृदा स्वास्थ्य पत्रक" का वितरण

भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् के केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, भरूच द्वारा भारत सरकार की अनुसूचित जाति उपयोजना के अंतर्गत "विश्व मृदा दिवस" के अवसर पर अनुसूचित जाति के किसानों के लिए एक दिवसीय "किसान गोष्ठी" का आयोजन किया गया| इस योजना का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जाति के किसानों का सामाजिक तथा आर्थिक विकास करना है, जिसके तहत संस्थान के द्वारा समय-समय पर अनेक प्रकार के प्रयास किये जाते है| इसी क्रम में यह कार्यक्रम "किसान गोष्ठी" आमोद तालुका के ग्राम-समनी में दिनांक 05 दिसंबर, 2023 को आयोजित किया गया| इस कार्यक्रम में पांच तालुका (जम्बूसर, आमोद, वाघरा, करजन तथा भरूच) के 28 गाँव के 50 अनुसूचित जाति के किसानों नें बढ़ चढ़ कर भाग लिया| इन किसानों को रबी 2023 के लिए संस्थान की लवण सहनशील गेंहूँ की किस्म वितरित की गयी थी तथा वितरण के समय उनके मिट्टी के नमूने एकत्र किये गए थे| इन नमूनों का केंद्र पर परीक्षण करके उनके मृदा स्वास्थ्य पत्रक बनाए गए थे, जो किसान गोष्ठी में "विश्व मृदा दिवस" के अवसर पर किसानों को वितरित किए गए| संस्थान के वैज्ञानिक डेविड कैमस, तकनीकी अधिकारी श्री चंपक तावियाड तथा बलवंत डामोर द्वारा किसानों का गोष्ठी के लिए पंजीकरण किया गया| कार्यक्रम की शुरुआत डा. मोनिका शुक्ला द्वारा स्वागत भाषण, कार्यक्रम की रूपरेखा का विवरण तथा ICAR गीत के साथ हुई| इसके पश्चात् केंद्र के अध्यक्ष डा. अनिल चिन्च्मालात्पुरे द्वारा मुख्य अतिथि डा. के. एच. पटेल, (प्रोफेसर मृदा विज्ञान) अध्यक्ष मृदा विभाग, कृषि कॉलेज, भरूच, का स्वागत किया गया| इसके पश्चात अध्यक्ष महोदय द्वारा अनुसूचित जाति उपयोजना के बारे में तथा "विश्व मृदा दिवस" के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी| उनके द्वारा "लवणीय मृदाओं का प्रबंधन" विषय पर किसानों को जानकारी प्रदान की गयी| इसके पश्चात मुख्य अतिथि के द्वारा "मृदा का कृषि में महत्व तथा मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन" विषय पर किसानों को जानकारी प्रदान की गयी| केंद्र के जल तथा मृदा इन्जीनीयर डा. सागर विभुते द्वारा "काली मृदाओं में सिंचाई तथा जल निकासी प्रबंधन" विषय पर किसानों का ज्ञान वर्धन किया गया| केंद्र की शस्य विज्ञान की वैज्ञानिक डा. मोनिका शुक्ला द्वारा "बेहतर उत्पादन के लिए मृदाओं का शस्य प्रबंधन" विषय पर उद्बोधन दिया गया| तत्पश्चात किसानों के द्वारा खेती तथा मृदा से संबंधित समस्यायों के बारे में चर्चा की गयी तथा उनका समाधान करने के लिए सुझाव दिए गए| इसके पश्चात मुख्य अतिथि के द्वारा किसानों को उनके खेत के "मृदा स्वास्थ्य पत्रक" का वितरण किया गया परीक्षण के परिणामों के बारे में उन्हें समझाया गया| अंत में डा. सागर विभुते द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव दिया गया तथा मध्यान भोजन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ|

"विश्व मृदा दिवस"

"विश्व मृदा दिवस"
"किसान गोष्ठी"